संपन्नता व सम्पूर्णता के समीपता की निशानियां.....

1. सदा बेहद के वैरागी होंगे।
2. याद की फांसी पर लटके रहेंगे।
3. पुरानी दुनिया से सदा न्यारे-प्यारे रहेंगे।
4. कभी भी अपना टाइम वेस्ट नहीं करेंगे।
5. अशरीरी स्थिति का अभ्यास करते रहेंगे।
6. सदैव साक्षीद्रष्टा अवस्था में रहेंगे।
7. देखते हुए नहीं देखेंगे।
8. नष्टोमोहा अथवा निर्मोही होंगे।
9. सदा अपने स्वीटहोम और राजधानी की स्मृति रहेगी।
10. सदैव उपराम व निर्लेप स्थिति में रहेंगे।
11. कर्म करते सदा हल्के, फरिश्ते स्थिति का अनुभव करते रहेंगे।
12. देह अलग है और देही अलग, ऐसा अनुभव करते रहेंगे।
13. ज्यादा से ज्यादा साईलेन्स में रहेंगे।
14. मधुर व धीरे बोलेंगे, अपने शान्त स्वभाव में रहेंगे।
15. ईश्वरीय ज्ञान का मनन-चिन्तन करेंगे।
16. ईश्वरीय श्रीमत अनुसार दिनचर्या का पूरा पालन करेंगे।
17. सदैव अन्तर्मुखता की गुफा में रहेंगे।
18. सदैव समर्थ स्वमान की स्थिति में रहेंगे।
19. इस दुनिया में अपने को मेहमान समझेंगे।
20. अतिन्द्रिय सुख के झूले में झूलते रहेंगे।
21. अपना भविष्य देवी-देवता स्वरूप स्मृति में इमर्ज रहेगा।
22. सदैव मौलाई मस्ती में मस्त रहेंगे।
23. सन्तुष्ट, सरलचित, मिलनसार होंगे।
24. उनका मस्तक सदैव चमकता रहेगा।
25. रूह को ही देखेंगे, रुहानियत से संपन्न रहेंगे।
26. वे महसूस करेंगे कि इस दुनिया से हमारा लंगर उठ चुका है।
27. बुद्धि रूपी पांव सदैव ऊपर रहेगा।
28. देह सहित देह के सर्व सम्बन्धों को भूले हुए होंगे।
29. सदा साधना में लीन रहेंगे।
30. कर्म करते योगयुक्त स्थिति में रहेंगे।
31. बुद्धि में रहेगा कि अब इस दुनिया से गए कि गए। ***ओम् शान्ति***